सेंटर फॉर एजुकेशन एण्ड कम्यूनिकेशन (सी.ई.सी) और सेंटर फॉर लेबर रिसर्च एण्ड एक्शन (सी.एल.आर.ए) ईंट भट्टों पर आए विभिन्न राज्यों के प्रवासी मजदूरों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और अन्य मौजूदा सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। हर योजना की सफलता एक मज़बूत कार्य प्रणाली और तंत्र के साथ-साथ जनता की भागीदारी पर भी निर्भर करती है। अक्सर जानकारी के अभाव से लोगों की भागीदारी वास्तविक नहीं हो पाती। इस जानकारी के अभाव को दूर करने के लिए **हक़: सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स** द्वारा समय-समय पर सामाजिक कार्यकर्ताओं, समाज सेवी संथाओं तथा प्रवासी मज़दूरों के लिए सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री तैयार करने का प्रयास किया गया है। इसी उद्देश्य के साथ इस विवरणिका में **वी.एच.एस.एन.सी (ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)** से जुड़े सदस्यों की भूमिका एवं कार्यप्रणाली संबंधित जानकारी को साझा किया गया है। हम आशा करते हैं कि आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, प्रवासी मज़दूर संगठन, स्वयं सेवी संस्थाएँ एवं ईंट भट्टों पर मौजूद श्रमिक और उनके परिवार इस जानकारी का लाभ उठा पाएंगे।।

इस विवरणिका को तैयार करने के लिए सरकार द्वारा प्रकाशित वी.एच.एस.एन.सी. के मैनुअल से महत्वपूर्ण जानकारी का अनुवाद किया गया है।

यहाँ से मोड़ें

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति) पर विवरणिका

प्रस्तुति:

HAQ Centre for Child Rights

सहभागिता एवं सहयोग:

CEC BUILDING A WIDER HORIZON WITH LABOUR

terre des hommes Help for Children in Need

CLRA

1

2

यहाँ से मोड़ें

प्रभावी स्वास्थ्य योजना के लिए विभिन्न स्तरों पर स्थापित संस्थान

यहाँ से मोड़ें

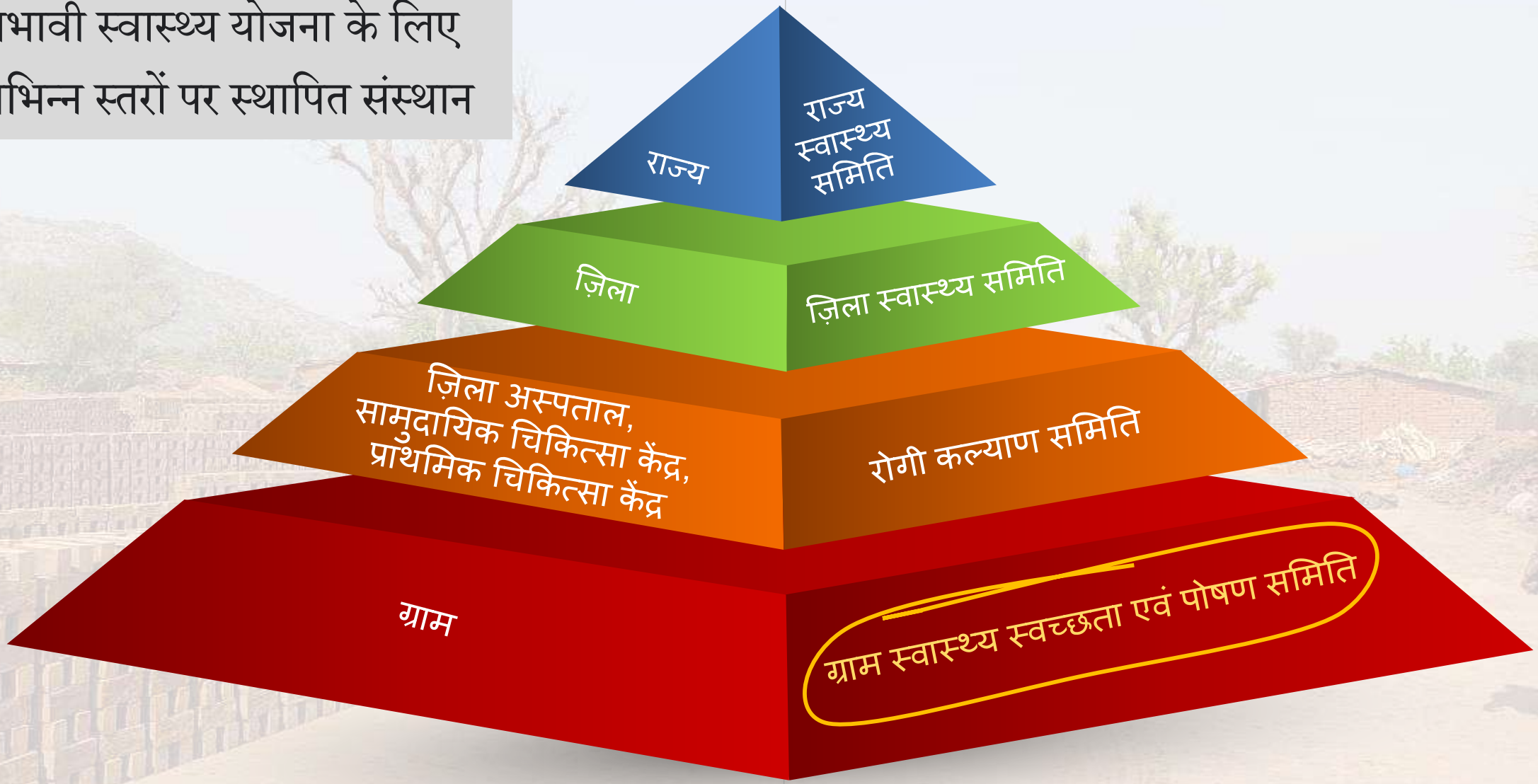

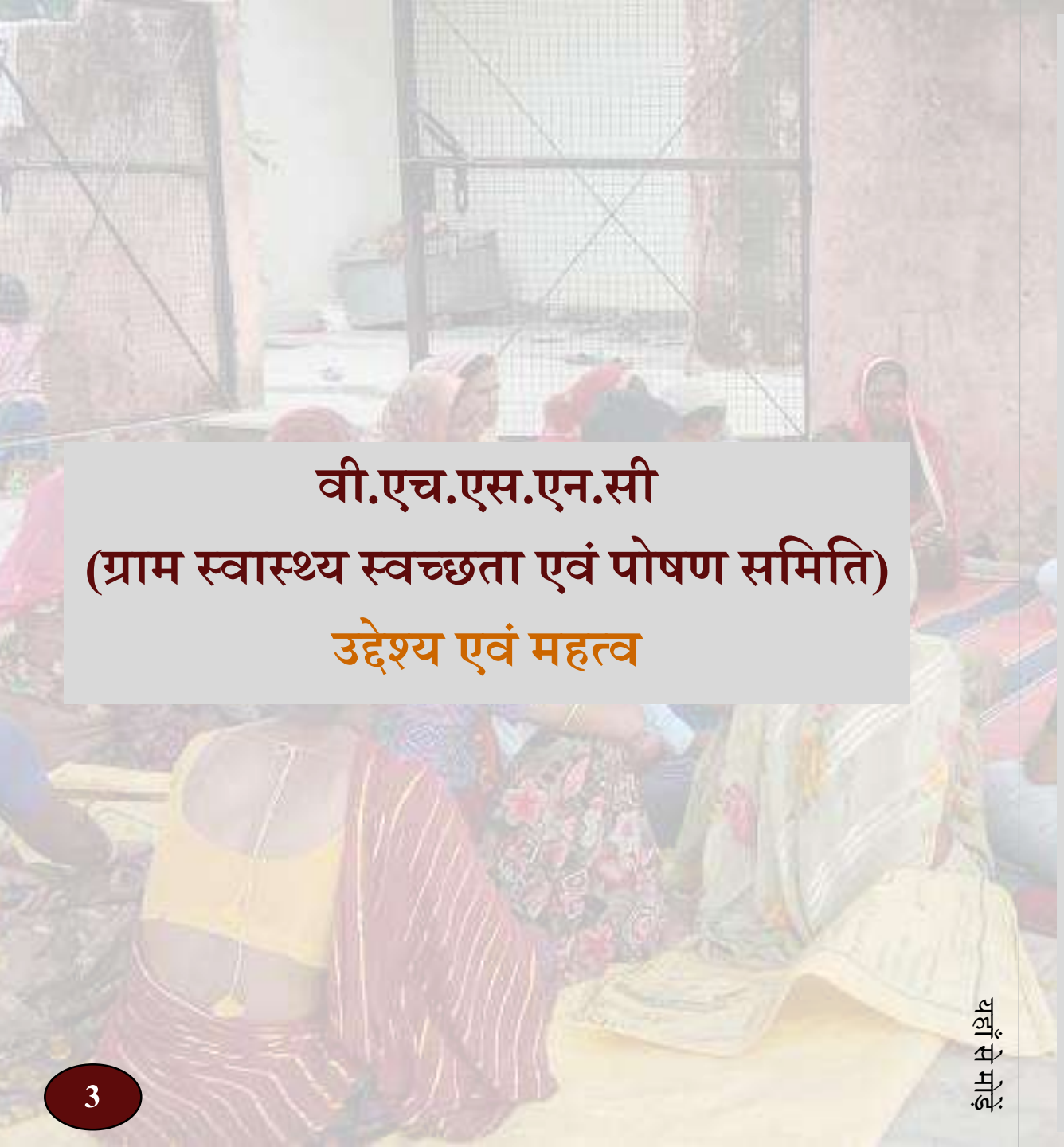

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
उद्देश्य एवं महत्व

"वी.एच.एस.एन.सी (ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समिति) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के प्रमुख तत्वों में से एक है। इस समिति से ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य और इसके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक निर्धारकों से संबंधित मुद्दों पर सामूहिक कार्रवाई की अपेक्षा की जाती है। वी.एच.एस.एन.सी की परिकल्पना समुदाय में स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता एवं पहुंच में सुधार लाने के लिए एक नेतृत्व मंच की भूमिका में की गई है। इसलिए यह समितियाँ स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रमों के सभी स्तरों पर समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण तंत्र हैं - लाभार्थियों के रूप में भागीदारी, स्वास्थ्य गतिविधियों के समर्थन, कार्यान्वयन और निगरानी में भागीदारी, तथा स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर कार्य आधारित योजना तैयार करने में भागीदारी। इन समितियों का निर्माण एवं विकास विकेंद्रीकृत स्वास्थ्य योजना की प्रक्रिया की ओर एक पहल है।"

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
स्थापना

यहाँ से मोड़ें

"वी.एच.एस.एन.सी (ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समिति) का गठन राजस्व ग्राम स्तर पर किया जाना है। जिस राजस्व गांव की आबादी 4000 से अधिक है, वहाँ वी.एच.एस.एन.सी वार्ड पंचायत के स्तर पर स्थापित हो सकती है (उदाहरण: केरल)।

वी.एच.एस.एन.सी पंचायत राज संस्थानों (पीआरआई) के दायरे में कार्य करती है। यह ग्राम पंचायत की एक उपसमिति या स्थायी समिति होती है।"

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
स्थापना की प्रक्रिया

यहाँ से मोड़ें

- आशा और आशा फैसिलिटेटर (या ब्लॉक मोबिलाइज़र) को गाँव में बैठकें आयोजित करनी होंगी और वी.एच.एस.एन.सी (ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति) की भूमिका और रचना पर चर्चा करनी होगी;
- इसके बाद ग्राम पंचायत सदस्य, आशा, आशा फैसिलिटेटर (या ब्लॉक मोबिलाइज़र) और ए.एन.एम ग्राम स्तर पर समुदाय के साथ परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से समिति के सदस्यों का चयन करेंगे।
- अगली ग्राम सभा बैठक में अन्य सुझावों को शामिल करते हुए समिति के सदस्यों की सूची का अनुमोदन करना होगा।
- समिति का कार्यकाल ग्राम पंचायत के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा । इसलिए नई पंचायत बनने के बाद वी.एच.एस.एन.सी का पुनर्गठन आवश्यक है।
- सक्रिय और प्रभावी सदस्यों को दोबारा वी.एच.एस.एन.सी का सदस्य चुनने पर या निष्क्रिय और अप्रभावी सदस्य को निकालने पर कोई रोक नहीं है।
- मानदंडों के अनुसार वी.एच.एस.एन.सी में गैर-सक्रिय सदस्यों को बदलने या नए सदस्य जोड़ने के लिए दो तिहाई बहुमत आवश्यक है।

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
सदस्यता के सिद्धांत

यहाँ से मोड़ें

- वी.एच.एस.एन.सी में महिलाओं, एससी, एसटी, अन्य अल्पसंख्यकों, सभी सामुदायिक उप-समूहों, विशेष रूप से गरीब और अधिक कमजोर वर्गों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होना चाहिए।
- सभी बस्तियों/टोलों को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।
- निर्वाचित सदस्य, विशेषकर गांव में रहने वाली पंचायत की महिला सदस्य को नेतृत्व के लिए सक्षम करना चाहिए।
- स्वास्थ्य या स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के लिए काम करने वाले सभी लोगों की सहभागिता होनी चाहिए।
- स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोगकर्ताओं, विशेषकर माताओं की आवाज़ को जगह मिलनी चाहिए।

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)

सदस्यता के महत्वपूर्ण बिन्दु

समिति के निर्माण में ये ध्यान रखें की कुल सदस्यों की संख्या 15 से कम न हो जिसमें न्यूनतम 50% महिला सदस्यता हो तथा 2/3 सदस्यों की संख्या पिछड़े/अति पिछड़े वर्ग से हो।

वी.एच.एस.एन.सी के सदस्य कौन लोग हो सकते हैं:

- **निर्वाचित ग्राम पंचायत सदस्य** - यद्यपि पंचायत के एक से अधिक निर्वाचित सदस्य को शामिल किया जा सकता है, उनकी संख्या एक तिहाई तक सीमित होनी चाहिए। कुल सदस्यों की संख्या में से महिला पंचायत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए;।
- **पूर्व-मौजूदा समितियों के सदस्य**- ग्राम पंचायत की स्थायी समितियों के सदस्य, जो आमतौर पर निर्वाचित सदस्य होते हैं, को भी सदस्यता में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि स्कूली शिक्षा, जल और स्वच्छता या पोषण पर अलग-अलग समितियाँ हैं, तो इन समितियों को वी.एच.एस.एन.सी में जोड़ने का पहला प्रयास होना चाहिए. यदि यह संभव नहीं है या जब तक यह नहीं किया गया है, तब तक प्रत्येक समिति के प्रमुख पदाधिकारी को वी.एच.एस.एन.सी में सदस्य के रूप में शामिल किया जाना चाहिए और वी.एच.एस.एन.सी अध्यक्ष को भी इन समितियों का सदस्य बनना चाहिए।
- **गाँव की सभी आशा कार्यकर्ता**।
- **सरकारी स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के अन्य फ्रंटलाइन कर्मचारी** - स्वास्थ्य विभाग की ए.एन.एम, आईसीडीएस की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्कूल शिक्षक को नियमित के रूप में शामिल किया जाना चाहिए यदि वे उस विशेष गांव के निवासी हों, अन्यथा उन्हे विशेष अतिथि के रूप में शामिल किया जा सकता है।
- **अन्य सार्वजनिक सेवाओं के कर्मचारी** - सार्वजनिक स्वास्थ्य और इंजीनियरिंग विभाग (पीएचईडी) के हैन्डपम्प मिकैनिक या मनरेगा कार्यक्रम के क्षेत्र समन्वयक, यदि वे गांव के निवासी हैं, सफाई कार्यकर्ता जो गाँव में नियमित रूप से कार्य करता है, इत्यादि।
- **गैर सरकारी संगठन / सामुदायिक संगठन** – जैसे कि स्वयं सहायता समूह, वन प्रबंधन समितियाँ, अल्पसंख्यक और युवा मण्डल / युवा समितियाँ, इत्यादि।
- **सेवा-उपयोगकर्ता** - गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, 3 वर्ष तक के बच्चों की माताएं, स्थायी दीर्घकालीन बीमारियों से ग्रस्त मरीज़ जो सार्वजनिक सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं।

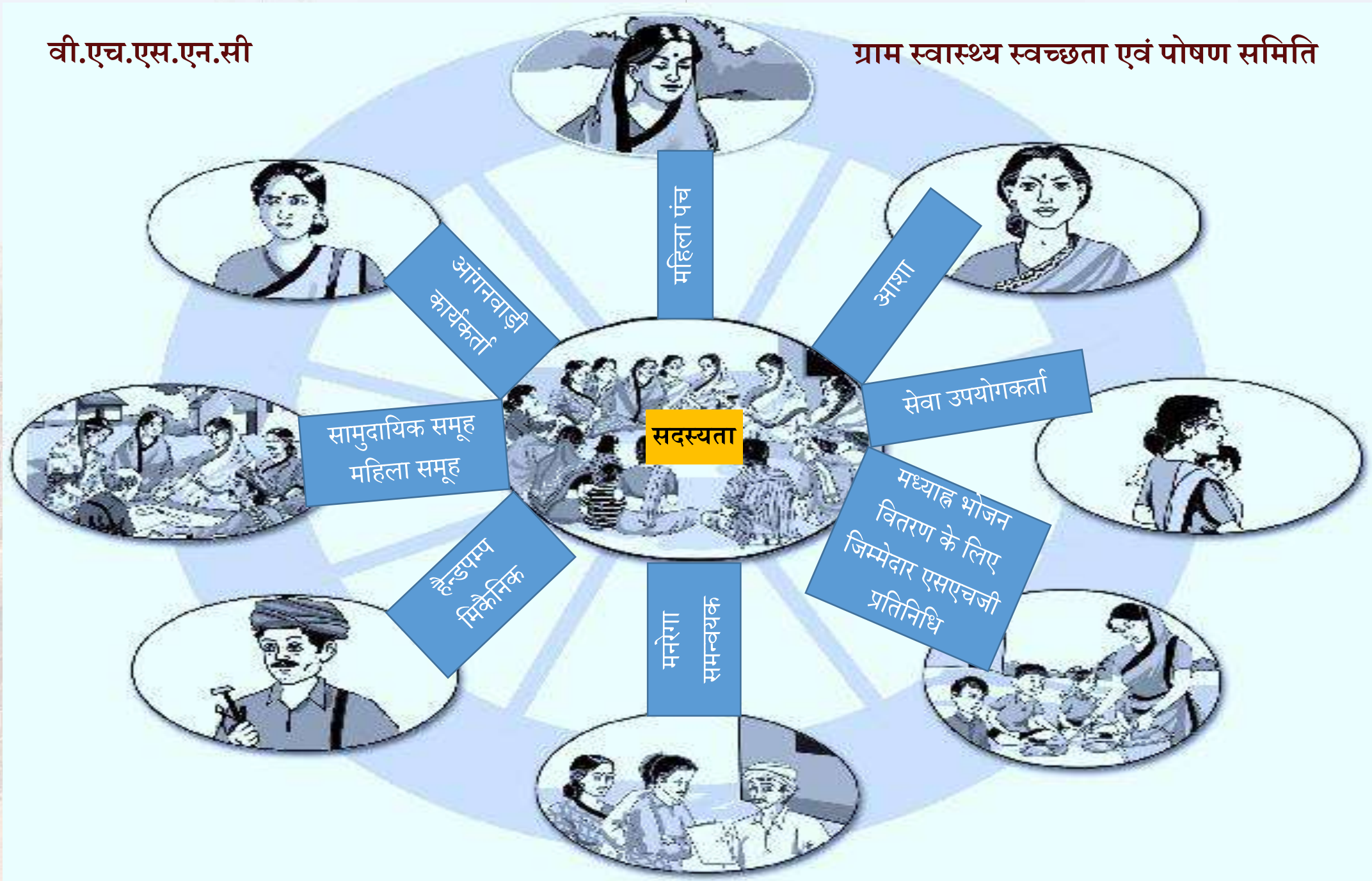
महिला पंच
आशा
सेवा उपयोगकर्ता
मध्याह्न भोजन वितरण के लिए जिम्मेदार एसएचजी प्रतिनिधि
मनरेगा समन्वयक
हैन्डपम्प मिकैनिक
सामुदायिक समूह महिला समूह
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता
सदस्यता

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)

अध्यक्षता एवं संयोजन

वी.एच.एस.एन.सी की अध्यक्ष ग्राम पंचायत की निर्वाचित महिला सदस्य (पंच) होती है, संभवतः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों में से, जो उस गांव की निवासी हो।

यदि उस गांव की कोई महिला पंच नहीं हो तो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के किसी पंच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह निर्णय ए.एन.एम और आशा की सहायता से ग्राम पंचायत और वी.एच.एस.एन.सी के बीच लिया गया निर्णय होगा।

वी.एच.एस.एन.सी की सदस्य सचिव और संयोजक आशा होंगी।

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
सार्वजनिक सेवाओं की निगरानी

यहाँ से मोड़ें

स्वास्थ्य सेवाएँ

स्वच्छ शौचालय तक पहुंच

सुरक्षित पेयजल

राशन-सार्वजनिक वितरण प्रणाली

मनरेगा

आंगनवाड़ी केंद्र सेवाएं

मध्याह्न भोजन

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति) के कार्य

आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच की निगरानी और सुविधा प्रदान करना, तथा ऐसी पहुंच को स्वास्थ्य परिणामों के साथ सहसंबंधित करना

यहाँ से मोड़ें

“ प्रत्येक वी.एच.एस.एन.सी को एक सार्वजनिक सेवा रजिस्टर बनाना होगा जिसमें समिति के सदस्य निम्नलिखित विषयों पर जानकारी सूचीबद्ध करेंगे:

(क) सेवाओं में अंतराल;

(ख) बैठक की तारीख जिसमें अंतराल नोट किया गया;

(ग) क्या कार्यवाही की जाएगी; एवं

(घ) कार्रवाई के लिए जिम्मेदार व्यक्ति कौन है।

- अगली बैठक में इसकी समीक्षा की जाएगी और सेवाओं में अंतराल दूर होने तक अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी।
- स्थानीय सुधारात्मक कार्रवाई, सेवा तक पहुंच सुनिश्चित कराने के लिए सहायता, और निवारण की मांग तदनुसार की जा सकती है।
- स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा वी.एच.एस.एन.सी अन्य संबंधित सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच का भी रिकॉर्ड रखती है, जैसे कि मनरेगा के तहत काम तक पहुंच, सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली, मध्याह्न भोजन, आंगनवाड़ी सेवाएं, सुरक्षित पेयजल, शौचालयों आदि तक पहुंच, जिसके कारण यह समिति स्थानीय अभिसरण कार्रवाई के लिए एक प्रमुख मंच है।
- वी.एच.एस.एन.सी यह आकलन करेगी कि किन लाभार्थियों तक सेवाएँ प्राथमिकता से पहुँचती हैं और कौन इनसे वंचित हैं, और तदनुसार सुधारात्मक कार्रवाई करेगी। ”

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
के कार्य

स्वास्थ्य संवर्धन के लिए स्थानीय सामूहिक कार्रवाई का आयोजन

यहाँ से मोड़ें

“ स्वास्थ्य संवर्धन के लिए सामुदायिक स्तर पर बहुत कुछ किया जा सकता है, जैसे कि:

(क) गाँव की सफाई - इसके लिए वी.एच.एस.एन.सी लामबंदी द्वारा स्वैच्छिकवाद को प्रेरित कर सकता है और एक प्रेरक ग्राम संगठन के रूप में कार्य कर सकता है। स्थानीय ग्रामीण युवाओं को कुछ भुगतान पर नियुक्त किया जा सकता है अन्यथा अनुबंधित श्रमिकों को नियुक्त किया जा सकता है।

(ख) बीमारियाँ फैलाने वाले स्रोतों को कम करने के लिए टीमों का आयोजन - मच्छरों के लार्वा के प्रजनन और ग्रहण के क्षेत्रों की पहचान कर उचित लार्वारोधी उपायों पर काम करना, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं –

i. रुके हुए तालाबों पर तेल (आमतौर पर अपशिष्ट मशीन का तेल) डालना, और उन गड्ढों को बंद करना जहां पानी जमा होता है;
ii. तालाबों और टैंकों के किनारों से घास हटाना;
iii. यह सुनिश्चित करना कि सेप्टिक टैंक बिना किसी दरार के बंद हों और गैस वेंट पर जाली लगी हो;
iv. यह सुनिश्चित करना कि ओवरहेड टैंक अच्छी तरह से बंद हैं और मच्छर नहीं पनप रहे हैं;
v. स्वास्थ्य विभाग की सहायता से कीटनाशक का छिड़काव और लार्वाभक्षी मछली का इस्तेमाल भी उसी दिन या उसके तुरंत बाद किया जा सकता है। ”

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति) के कार्य

गाँव में सेवा वितरण और सेवा प्रदाताओं की सुविधा प्रदान करना - 1

यहाँ से मोड़ें

"सेवाओं तथा सेवा प्रदाताओं तक पहुँच बढ़ाना वी.एच.एस.एन.सी का महत्वपूर्ण दायित्व है।

(क) ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का आयोजन तथा टीकाकरण सत्रों के आयोजन में सहयोग - वी.एच.एस.एन.सी सदस्यों को ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण दिवस के लिए विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले परिवारों से गर्भवती महिलाओं और बच्चों को जुटाने की सुविधा प्रदान करनी चाहिए। यह दिवस समुदाय को ए.एन.एम और आंगनवाड़ी की सेवाओं तक पहुंचाने तथा स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श के लिए एक उचित मंच है।

(ख) आउटरीच कार्यकर्ताओं और सामुदायिक सेवा प्रदाताओं की समस्याओं का निवारण - वी.एच.एस.एन.सी को ए.एन.एम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्कूल शिक्षक और आशा के लिए उन व्यक्तियों या वर्गों तक पहुंचने का रास्ता निकालना चाहिए जिन तक वे नहीं पहुँच पा रहे और ऐसे मामलों में प्रदाताओं को सहायता प्रदान करनी चाहिए जहां उन्हें व्यक्तिगत ताने या उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

(ग) आंगनवाड़ी केंद्र या उप-केंद्र या स्कूल में महत्वपूर्ण अनुपस्थित सुविधाएं प्रदान कराना - आंगनवाड़ी केंद्र या उप-केंद्र या स्कूल को उपयोगकर्ता और प्रदाता, दोनों के लिए आरामदायक और स्वस्थ बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुविधाओं को सुनिश्चित करवाना चाहिए।"

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति) के कार्य

गाँव में सेवा वितरण और सेवा प्रदाताओं की सुविधा प्रदान करना - 2

यहाँ से मोड़ें

"(घ) संवाद और कार्रवाई के लिए एक मंच प्रदान करना - वी.एच.एस.एन.सी बैठकों में, समुदाय और प्रदाता एक-दूसरे की प्रतिक्रिया के माध्यम से सेवाओं में कमियों का आँकलं कर सकते हैं और एक दूसरे के दृष्टिकोण को समझ सकते हैं, जिससे समाधान के निवारण के लिए उपयुक्त उपाए मिल सकते हैं।

(ङ) मरीज़ को अस्पताल पहुंचाने का प्रबंध करवाना - वी.एच.एस.एन.सी ज़रूरत के समय किसी मरीज़ को अस्पताल पहुंचाने के लिए स्थानीय वाहन मालिकों के साथ गठजोड़ कर सकती है।

(च) जन्म और मृत्यु का पंजीकरण - वी.एच.एस.एन.सी का ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि प्रत्येक नए जन्म का और मृत जन्म सहित प्रत्येक मृत्यु का पंजीकरण किया जाए तथा समयानुसार परिवारों को जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र मिल जाए। साथ ही मृत्यु के कारण और उनकी सही रेपोर्टिंग पर भी ध्यान केंद्रित होना चाहिए, ताकि सही जानकारी ग्राम नियोजन का आधार बन सके। वी.एच.एस.एन.सी को प्रारूप के अनुसार अपने गांव में जन्म और मृत्यु का रिकॉर्ड रखना चाहिए।"

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
के कार्य
ग्राम स्वास्थ्य योजना - 1

स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकताओं की पहचान करके ग्राम नियोजन करने के लिए पर्याप्त ज्ञान की आवश्यकता होती है, साथ ही रेफरल स्तर पर स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता, और दोनों के बीच अच्छे संबंध।

यहाँ से शुरू

"वी.एच.एस.एन.सी को ग्राम स्वास्थ्य योजना बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

(क) सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में आने वाली समस्याओं की पहचान करना और कमियों को दूर करना - वी.एच.एस.एन.सी को एक ग्राम रजिस्टर रखना होगा जिसमें कुल जनसंख्या, घर-परिवार, गरीबी रेखा से नीचे परिवार (उनके धर्म, जाति, भाषा की जानकारी के साथ), स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता और पोषण से संबंधित सेवाओं के वर्तमान लाभार्थियों की सूची का डेटा दर्ज किया जाए, ताकि सभी सार्वजनिक सेवाओं की पहुँच सभी वर्गों, विशेष रूप से विकलांगों सहित अन्य हाशिए पर रहने वाले समूहों तक सुनिश्चित की जा सके।

(ख) कमियों को दूर करने के लिए स्थानीय सामूहिक कार्रवाई - इस तरह लोगों स्वयं अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

(ग) स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकताओं की पहचान करना और विभिन्न स्तरों पर उचित कार्रवाई करना - इसमें परिवार के स्तर पर स्वास्थ्य शिक्षा कार्रवाई, समुदाय के स्तर पर सामूहिक कार्रवाई और स्वास्थ्य प्रणालियों के स्तर पर सरकारी कार्रवाई या सेवाओं की मांग करना शामिल हैं। मोटे तौर पर हम इस प्रक्रिया को दो भागों में विभाजित कर सकते हैं:

i. स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकताओं की पहचान करना
ii. कार्रवाई की योजना बनाना"

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
के कार्य

ग्राम स्वास्थ्य योजना – 2

यहाँ से मोड़ें

i. स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकताओं की पहचान करना

स्वास्थ्य संबंधित प्राथमिकताओं को समझने के लिए वी.एच.एस.एन.सी कुछ इस तरह के कदम उठा सकती है:

- एक रजिस्टर बनाया जाए जिसमें एक अवधि (त्रैमासिक) में होने वाली सभी मृत्यु और उनके संभावित कारणों को लिखा जाए। हर मृत्यु जो 60 वर्ष से कम आयु में होती है और निश्चित रूप से 40 वर्ष से कम उम्र में होने वाली मृत्यु पर चर्चा की जानी चाहिए। इस चर्चा से मृत्यु के समक्ष कारणों के अलावा अन्य कारण एवं सामान्य समस्याएं सामने आ सकती हैं, जैसे कि मृत्यु से संबंधित पीड़ा और आर्थिक नुकसान, और उन कारणों की पहचान हो सकती है जिन्हें रोका जा सकता था या जिनका निवारण संभव है।
- मृत्यु रजिस्टर के माध्यम से वी.एच.एस.एन.सी हर मृत्यु की पहचान और रिपोर्ट करने में सक्षम होगी और मौखिक शव-परीक्षा करने में सहायता प्रदान कर सकती है।
- वी.एच.एस.एन.सी में विकलांगता सर्वेक्षण के माध्यम से प्राप्त विकलांगता के रिकॉर्ड भी होने चाहिए।
- वी.एच.एस.एन.सी द्वारा सामूहिक चर्चाओं के माध्यम से देखभाल की जरूरत के लगातार उभरते कारण तथा क्लिनिक के दौरे या अस्पताल में भर्ती होने के कारणों की पहचान हो सकती है। इससे हमें रोग भार की एक तस्वीर भी मिलती है। इसके आधार पर, गाँव में अकाल मृत्यु, अस्पताल में भर्ती होने और डॉक्टर के पास जाने के दस सबसे आम कारणों की सूची बनाई जा सकती है और एक योजना विकसित की जा सकती है।

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
के कार्य

ग्राम स्वास्थ्य योजना – 3

यहाँ से मोड़ें

ii. कार्रवाई की योजना बनाना

निम्नलिखित कार्यों के आधार पर एक योजना विकसित की जा सकती है (कुछ सुझाव):

- ऐसे कार्य जो लोग पारिवारिक स्तर पर स्वयं कर सकते हैं। उदाहरणार्थ - अनेक मौतें हृदय रोग के कारण या तम्बाकू, पान आदि चबाने से संबंधित कैंसर के कारण होती हैं। जीवन शैली और व्यवहार तथा स्थानीय स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं में बदलाव से इनकी रोकथाम हो सकती है।
- पारिवारिक स्तर पर अंतर-वैयक्तिक संचार के माध्यम से तथा सामुदायिक स्तर पर जनसंचार द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा को कार्य योजना में शामिल किया जा सकता है। इस गतिविधि की सामग्री स्थानीय स्वास्थ्य प्राथमिकता के अनुसार होनी चाहिए जिसमें बाल विवाह और लिंग चयन जैसे सामाजिक मुद्दे भी शामिल होने चाहिए।
- गाँव के कार्यक्रमों या त्योहारों के दौरान स्वास्थ्य मेले, स्क्रीनिंग शिविर, स्वास्थ्य शिक्षा, जल स्रोतों को पीने के लिए सुरक्षित बनाना, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में सुधार करना, इत्यादि को सामुदायिक देखभाल प्रदाता की सहायता से या उनके बिना आयोजित किया जा सकता है।
- योजना को उन कार्यों को सक्षम करना चाहिए जिन्हें स्वास्थ्य प्रणालियों के स्तर पर किए जाने की आवश्यकता है और इसके लिए वी.एच.एस.एन.सी द्वारा विशेष रूप से ब्लॉक और पीएचसी स्तर पर अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए ताकि वे उचित निवारक या उपचारात्मक कार्रवाई कर सकें।

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
के कार्य
स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की सामुदायिक निगरानी

अधिकांश स्थितियों में एनजीओ समर्थन द्वारा वी.एच.एस.एन.सी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की सामुदायिक निगरानी में प्रभावी रहे हैं।

यहाँ से मोड़ें

“ अपने क्षेत्र में उपलब्ध प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की सामुदायिक निगरानी वी.एच.एस.एन.सी के मुख्य कर्तव्यों में से एक है। कुछ निम्नलिखित सफल दृष्टिकोण/कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

- पीएचसी का दौरा या सेवा उपयोगकर्ताओं के साथ संवाद - इस जानकारी का उपयोग स्कोर कार्ड भरने के लिए करते हैं, जिसके कई मापदंड तय हैं। ये मापदंड पीएचसी में उपलब्ध सेवाओं और देखभाल की गुणवत्ता से संबंधित हैं।
- अच्छा काम करने वाले पीएचसी का प्रोत्साहन - वी.एच.एस.एन.सी उन पीएचसी की सहायता कर सकती है जो स्कोरिंग में खराब प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे उचित कार्रवाई हो सके और सुधार लाया जा सके।
- सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण से संबंधित शिकायत निवारण - स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण सेवाओं के संबंध में शिकायतों पर सेवा प्रदाताओं से बातचीत करना, गाँव के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए सेवाओं और योजनाओं की पहुंच की सक्रिय रूप से निगरानी करना तथा भ्रष्टाचार और अनाचार पर गौर करना वी.एच.एस.एन.सी का दायित्व है। जहां उपयुक्त हो, वी.एच.एस.एन.सी को ग्राम स्तर पर निस्तारित न होने वाली शिकायतों को जिला शिकायत निवारण समिति तक पहुंचाना चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना जैसे कार्यक्रम और बढ़ती हुई निजी क्षेत्र की भागीदारी से चालाए जाए रहे कार्यक्रमों / योजनाओं की निगरानी करना और संबंधित शिकायतों को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है। जहां मान्यता प्राप्त नहीं है, वहां भी निजी क्षेत्र के नियमन में रोगी के हितों की रक्षा के लिए सरकार की भूमिका होती है। इसलिए निजी क्षेत्र की सेवाओं में आने वाली शिकायतें और समस्याएं भी वी.एच.एस.एन.सी में ली जा सकती हैं।
- जन संवाद का आयोजन - कुछ वी.एच.एस.एन.सी द्वारा आयोजित समुदाय और अधिकारियों के बीच संवाद के बहुत सकारात्मक परिणाम निकले हैं। ”

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
के कार्य

मासिक बैठकें

यहाँ से मोड़ें

"(क) प्रत्येक माह में कम से कम एक वी.एच.एस.एन.सी की बैठक का आयोजन किया जाना चाहिए। बैठक के लिए एक नियमित तारीख सुनिश्चित की जा सकती है, जैसे हर महीने की 5 तारीख या हर महीने का पहला शनिवार, ताकि समिति के सदस्य अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने की तैयारी कर सकें। किसी सुविधाजनक स्थान पर एक नियमित स्थल तय करने से भी मदद मिल सकती है, अधिमानतः आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायत भवन या स्कूल जैसी सार्वजनिक सुविधा, जहां सभी सदस्यों के लिए पहुंचना सुलभ हो। इस सब के बावजूद सदस्य सचिव आशा को अधिकांश परिस्थितियों में सदस्यों को बैठक की याद दिलाने की आवश्यकता होगी और उन्हें इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करना होगा।

(ख) एक मिनट रजिस्टर और एक बैठक उपस्थिति रजिस्टर समिति की कार्य पद्धति को योग्य बनाने के लिए उचित होगा।

(ग) वी.एच.एस.एन.सी की बैठक के लिए चुने गए सक्रिय 15 सदस्यीय समिति में से न्यूनतम 7 सदस्यों की कार्यसाधक संख्या होनी चाहिए। लेकिन बड़ी समितियों में, जिनकी संरचना सामाजिक समावेशन और लामबंदी के लिए होती है, बैठक का कोरम 33% भी हो सकता है।

(घ) मासिक बैठकों में किए गए कार्यों की समीक्षा की जाती है, भविष्य की गतिविधियों की योजना बनाई जाती है और निर्णय लिया जाता है कि अनटाइड फंड कैसे खर्च किया जाएगा।"

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
बैंक खाता एवं वित्तीय ज़िम्मेदारी

यहाँ से मोड़ें

"प्रत्येक वी.एच.एस.एन.सी को निकटतम बैंक में एक बैंक खाता खोलना होगा, जिसमें अनटाइड फंड जमा होगा (मुक्त राशि)।

वी.एच.एस.एन.सी के अध्यक्ष और सदस्य सचिव आशा वी.एच.एस.एन.सी खाते के संयुक्त हस्ताक्षरकर्ता होंगे।

वी.एच.एस.एन.सी खाते से पैसा निकालने के लिए दोनों हस्ताक्षरकर्ताओं के संयुक्त हस्ताक्षर आवश्यक हैं।

यदि किसी वी.एच.एस.एन.सी खाते के लिए तीन हस्ताक्षरकर्ता हैं, तो तीन में से किन्ही दो के हस्ताक्षर ज़रूरी होंगे।

सदस्य सचिव आपात्कालीन स्थिति या अत्यावश्यक गतिविधियों के लिए 1000 रु. तक का व्यय करने का अधिकार रखते हैं।"

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
के कार्य

अनटाइड ग्राम स्वास्थ्य निधि (मुक्त राशि) का प्रबंधन

यहाँ से मोड़ें

"प्रत्येक वी.एच.एस.एन.सी राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) से 10,000 रुपये के वार्षिक अनटाइड अनुदान (मुक्त राशि) का हकदार है। यह अनटाइड अनुदान स्थानीय स्तर पर सामुदायिक कार्रवाई के लिए एक संसाधन है। पोषण, शिक्षा एवं स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जहां इस धनराशि का उपयोग किया जा सकता है। निराश्रित महिला या बहुत गरीब परिवार की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने और देखभाल तक पहुंच को सक्षम बनाने के मामलों के अलावा, इस निधि का उपयोग केवल उन सामुदायिक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है जिनमें एक से अधिक परिवार का लाभ शामिल हो। व्यय पर निर्णय वी.एच.एस.एन.सी में लिया जाना चाहिए और अनटाइड अनुदान से सभी भुगतान भी वी.एच.एस.एन.सी के माध्यम से किया जाना चाहिए। विशेष परिस्थिति में जिला प्रशासन सभी वी.एच.एस.एन.सी को किसी विशेष गतिविधि पर खर्च करने के लिए निर्देश या सुझाव दे सकता है, लेकिन फिर भी इसे पहले वी.एच.एस.एन.सी द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। वी.एच.एस.एन.सी फंड का उपयोग अधिमानतः उन कार्यों या गतिविधियों के लिए किया जाता है जिनके लिए धन का आवंटन पंचायती राज संस्थाओं या अन्य विभाग के माध्यम से उपलब्ध नहीं है।

सदस्य सचिव को अत्यावश्यक गतिविधियों पर कुल रु. 1000 तक की राशि का खर्च करने की अनुमति होती है, जिसके लिए उन्हें गतिविधि का विवरण और बिल-वाउचर वी.एच.एस.एन.सी की अगली बैठक में जमा करने होंगे और समिति की मंजूरी लेनी होगी।

प्रत्येक गाँव को ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समिति में अतिरिक्त धनराशि का योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

व्यय पर लिए गए निर्णयों को कार्यवृत्त में दर्ज किया जाना चाहिए। जब समिति की बैठक में पर्याप्त कोरम हो, तो ऐसे निर्णयों को अधिमानतः एक लिखित प्रस्ताव के रूप में अपनाया जाता है, जिसे पढ़ा जाता है और फिर बैठक के कार्यवृत्त में शामिल किया जाता है।"

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति) के कार्य

अनटाइड ग्राम स्वास्थ्य निधि (मुक्त राशि) के लिए लेखांकन

यहाँ से मोड़ें

“(क) वी.एच.एस.एन.सी को ग्राम सभा की द्विवार्षिक बैठकों और ग्राम पंचायत की त्रैमासिक बैठक में अपनी गतिविधियों और व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत करना होता है, जिसमें ग्राम पंचायत योजना और बजट पर चर्चा की जाती है।

(ख) वी.एच.एस.एन.सी द्वारा तैयार वार्षिक व्यय विवरण ग्राम पंचायत द्वारा एनआरएचएम के उपयुक्त ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को उनकी टिप्पणियों के साथ अग्रेषित किया जाएगा।

(ग) व्यय से संबंधित सभी वाउचर वी.एच.एस.एन.सी द्वारा तीन वर्षों तक अनुरक्षित किए जाने चाहिए और ग्राम सभा या ज़िला प्राधिकरण द्वारा नियुक्त लेखापरीक्षा या निरीक्षण दल को उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उसके बाद व्यय विवरण (एसओई) को 10 वर्षों तक अनुरक्षित रखा जाना चाहिए।

(घ) राज्य स्तर पर ब्लॉक या जिला एनआरएचएम द्वारा किए गए संवितरण को अग्रिम माना जाएगा और व्यय विवरण (एसओई) प्राप्त होने के बाद इन अग्रिमों को व्यय के रूप में माना जाएगा।

(ङ) जिला खातों की लेखापरीक्षा के तहत जिला प्राधिकरण प्रतिवर्ष परीक्षण नमूने के आधार पर वी.एच.एस.एन.सी खाते का वित्तीय ऑडिट करेगा।

(च) वी.एच.एस.एन.सी को हर वित्तीय वर्ष मे आई अनुदान राशि के व्यय का उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) बनवाना होगा।

(छ) निधि प्राप्ति में देरी के मामले में वी.एच.एस.एन.सी को वित्तीय वर्ष के अंत के बाद धनराशि खर्च करने के लिए छह महीने की अवधि दी जानी चाहिए। जब अंतिम खाते प्रस्तुत किए जाते हैं, तो अव्ययित धनराशि को अस्थिर अग्रिमों के रूप में माना जाएगा। ज़िला प्राधिकरण को वी.एच.एस.एन.सी निधि को अव्यवस्थित अग्रिम पर अतिरिक्त सहायता (टॉप-अप) देनी चाहिए।”

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)
के कार्य
अभिलेख

यहाँ से मोड़ें

“(क) बैठकों का रिकॉर्ड - उपस्थिति हस्ताक्षर के साथ

(ख) सदस्यों द्वारा व्यय/निकासी हेतु दी गई स्वीकृतियों का रिकॉर्ड

(ग) रोकड़ बही / बही खाता

(घ) जन सुविधा / लोक सेवा निगरानी रजिस्टर

(ङ) जन्म रजिस्टर

(च) मृत्यु रजिस्टर

(छ) कार्यवृत्त विवरण पुस्तक”

आशा,
ए.एन.एम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के बीच भूमिका समन्वय

आशा की भूमिका

स्वास्थ्य शिक्षा, बीमारी में देखभाल, परिवारों के दौरे पर प्राथमिक ध्यान देना। परिवारों के दौरे के लिए गर्भवती महिला, नवजात और प्रसवोत्तर माता, दो वर्ष से कम आयु के बच्चे, कुपोषित बच्चे और हाशिए पर रह रहे परिवारों को प्राथमिकता देना।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका

पोषण परामर्श पर प्राथमिक भूमिका
और बचपन से जुड़ी बीमारियों पर सहायक भूमिका निभाना।

जो आंगनवाड़ी केंद्र में आने में असमर्थ हैं उन्हें राशन घर ले जाने की सुविधा उपलब्ध कराना।

यहाँ से मोड़ें

गतिविधि

घर-परिवारों का दौरा

ए. एन.एम (सहायक नर्स मिडवाइफ) की भूमिका

उन परिवारों को प्राथमिकता देना जिनके साथ आशा को चिकित्सा व्यवहार परिवर्तन तथा ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस में उपास्थिति के लिए प्रेरित करने में कठिनाई हो रही है; प्रसवोत्तर माता के लिए घर आधारित सेवाएँ उपलब्ध कराना; नवजात शिशु और उन बीमार बच्चों को प्राथमिकता देना जिन्हें रेफरल की आवश्यकता है लेकिन जाने में असमर्थ हैं।

यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक परिवार के लिए आशा निर्दिष्ट है और उन्हें इसका ज्ञान है।

आशा के साथ संयुक्त दौरे के माध्यम से सहायक पर्यवेक्षण प्रदान करना।

आशा,
ए.एन.एम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के बीच भूमिका समन्वय

आशा की भूमिका

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस में भाग लेने के लिए प्रेरणा और परामर्श के माध्यम से महिलाओं और बच्चों की सामाजिक लामबंदी पर प्राथमिक ध्यान देना।

हाशिये पर पड़े वर्गों पर विशेष ज़ोर देना, और स्वास्थ्य देखभाल तक करना।

गतिविधि

वी.एच.एन.डी

(ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस)

ए. एन.एम (सहायक नर्स मिडवाइफ) की भूमिका

सेवा प्रदाता जो टीकाकरण, प्रसवपूर्व देखभाल, जटिलताओं की पहचान और परिवार योजना सेवाएँ प्रदान करता है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका

आंगनवाड़ी केंद्र आयोजन स्थल है एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, कार्य को संभव करने में एक सहयोगी है। वह 5 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों का वज़न करती है, बच्चों का विकास चार्ट बनाती है, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं और तीन साल से कम उम्र के बच्चों को घर ले जाने के लिए राशन प्रदान करती है, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के अलावा अन्य दिनों पर आंगनवाड़ी केंद्र में पंजीकृत बच्चों की पहचान और देखभाल करती है।

आशा,
ए.एन.एम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के बीच भूमिका समन्वय

आशा की भूमिका
वी.एच.एस.एन.सी (ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति) की बैठकों का संयोजन करना तथा गांव की स्वास्थ्य योजना बनाना।
नेतृत्व प्रदान करना एवं सभी जन सेवाओं के लिए अभिसृत कार्रवाई में मार्गदर्शन करना।
टोलेवार छह वर्ष से कम आयु के बच्चों की कुपोषण संबंधित स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराना और समिति के समक्ष आंगनवाड़ी केंद्र की कार्यप्रणाली से संबंधित विशेष चुनौतियाँ तथा अपनी प्रभावशीलता में सुधार के लिए सहायता की आवश्यकता को रखना।
हाशिए पर रहने वाले उन परिवारों की मैपिंग में मदद करना जिन्हें पोषण सेवाओं की आवश्यकता है और ग्राम स्वास्थ्य योजना के गठन और कार्यान्वय में पोषण संबंधित मुद्दों पर सहायता प्रदान करना।

यहाँ से मोड़ें

गतिविधि

वी.एच.एस.एन.सी

(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)

आशा की भूमिका
तीन साल से कम उम्र के बच्चों और गर्भवती/स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए घर ले जाने वाले राशन के प्रावधान को सुनिश्चित करने तथा 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए पूरक आहार और पूरक पोषाहार की अनुपलब्धता से संबंधित मुद्दों को समिति के समक्ष रखने की जवाबदेही।
आंगनवाड़ी सेवाएं प्रदान करने में आने वाली किसी भी कठिनाई के बारे में वीएचएसएनसी को सूचित करना।
मानदंड के अनुसार गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने के लिए वी.एच.एस.एन.सी के प्रति जवाबदेही।

आशा, ए.एन.एम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के बीच भूमिका समन्वय

ए. एन.एम (सहायक नर्स मिडवाइफ) की भूमिका

समिति की बैठकें बुलाने में और गांव की स्वास्थ्य योजना तैयार करने में आशा को सहयोग देना।

उपलब्ध सेवाओं, योजनाओं और मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए सेवाओं के संबंध में वी.एच.एस.एन.सी को जानकारी प्रदान करना।

हाशिये पर रह रहे समूहों या उन लोगों के बारे में विवरण साझा करना जिन तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच नहीं है और उन आबादियों तक पहुंचने के लिए वी.एच.एस.एन.सी का सहयोग लेना।

गांव में होने वाली मृत्यु, विशेषकर मातृ और बाल मृत्यु और उनके संभावित कारणों के बारे में वी.एच.एस.एन.सी को सूचित करना।

यहाँ से मोड़ें

गतिविधि

वी.एच.एस.एन.सी

(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)

ए. एन.एम (सहायक नर्स मिडवाइफ) की भूमिका

हाशिए पर मौजूद और वंचित समूहों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए ग्राम कार्य योजना तैयार करने में समिति की मदद करना या उसका समर्थन करना।

स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में आने वाली किसी भी कठिनाई के बारे में वी.एच.एस.एन.सी को सूचित करना।

उपकेंद्र के सुचारू संचालन एवं व्यवस्था तथा गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ और वी.एच.एन.डी का नियमित संचालन के लिए समिति के प्रति जवाबदेही।

आशा,
ए.एन.एम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के बीच भूमिका समन्वय

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका
समिति की बैठकें बुलाने में और गांव की स्वास्थ्य योजना तैयार करने में आशा को सहयोग देना।

यहाँ से मोड़ें

गतिविधि

वी.एच.एस.एन.सी
(ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति)

शिक्षा, जल एवं स्वच्छता, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य विभागों के प्रतिनिधियों की भूमिका
वी.एच.एस.एन.सी के अधिदेश में स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल और पोषण, शिक्षा, विशेष रूप से मध्याह्न भोजन के संदर्भ में, और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कार्यान्वित अन्य कार्यक्रम भी शामिल हैं। तदनुसार वी.एच.एस.एन.सी की भूमिका पेयजल, स्वच्छता, महिला साक्षरता, पोषण और महिला एवं बाल स्वास्थ्य जैसे स्वास्थ्य के व्यापक निर्धारकों की निगरानी करना जिससे इन सेवाओं पर अभिसरण कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। ये प्रतिनिधि वी.एच.एस.एन.सी को विभिन्न विकासों के बारे में सूचित करेंगे, वी.एच.एस.एन.सी को निगरानी करने में सक्षम बनाएंगे और संबंधित कार्यक्रमों को लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर कार्रवाई करेंगे। इससे स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों में सुधार पर कार्रवाई सुनिश्चित हो पाएगी। यह वी.एच.एस.एन.सी को स्थानीय स्तर पर सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रमों के वितरण में जवाबदेही सुनिश्चित करने की भी अनुमति देता है।

आशा,
ए.एन.एम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के बीच भूमिका समन्वय

यहाँ से मोड़ें

गतिविधि

अनुरक्षण सेवा

आशा की भूमिका
आवश्यकता और व्यवहार्यता के आधार पर आशा स्वैच्छिक रूप से अनुरक्षण सेवा प्रदान करेंगी, जिसके लिए वे यात्रा मुआवज़ा तथा दैनिक वेतन की हकदार होंगी।

आशा,
ए.एन.एम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के बीच भूमिका समन्वय

आशा की भूमिका

आशा के लिए ज़रूरी है कि वे औषधि भंडार खाते का रखरखाव करें, अपने काम का रिकार्ड एक डायरी में लिखें, एक रजिस्टर बनाएँ जिससे उन्हें अपने काम को व्यवस्थित करने में और उन लोगों के लिए प्राथमिकता तय करने में सहायता मिले जिन्हें उनकी सेवाओं की सबसे अधिक ज़रूरत है।

यहाँ से मोड़ें

गतिविधि

अभिलेख रखरखाव

ए. एन.एम (सहायक नर्स मिडवाइफ) की भूमिका

ए.एन.एम की प्राथमिक ज़िम्मेदारी है कि वह उसके द्वारा दी गई सेवाओं पर निगरानी रखने के लिए एक सेवा वितरण रिकार्ड और रजिस्टर बनाएँ।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की प्राथमिक ज़िम्मेदारी है कि वह उनके द्वारा दी गई सेवा वितरण पर निगरानी रखने के लिए एक रजिस्टर बनाएँ जिसमें निमलिखित का उल्लेख हो:

- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताएँ और बच्चों के लिए प्रदान की गई सेवाएँ
- 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का वज़न और विकास चार्ट

यहाँ से मोड़ें

संदर्भ

- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम), *सामुदायिक प्रक्रियाओं के लिए दिशानिर्देश* । यूआरएल: https://nhm.gov.in/images/pdf/communitisation/vhsnc/order-guidelines/Guidelines_for_Community_Processes_2014%20English.pdf
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, *हैन्ड्बुक फॉर मेम्बर्स ऑफ विलेज हेल्थ सेनिटेशन एण्ड नूट्रिशन कमिटीस (ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्यों के लिए पुस्तिका)*। यूआरएल: https://nhm.gov.in/images/pdf/communitisation/vhsnc/Resources/Handbook_for_Members_of_VHSNC-English.pdf

हिन्दी अनुवाद

भारती अली

डिज़ाइन

गुलनाज़ खान

प्रस्तुति

हक़: सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स

128-बी, दूसरी मंज़िल, शहपुरजट, नई दिल्ली -110049

दूरभाष: 011-26497412

ई-मेल: info@haqcrc.org

वेबसाईट: www.haqcrc.org

यहाँ से मोड़ें